

## **NINE ATTEMPTS TO DE-RECOGNIZE ARTEE**

It is very sad that people who often call ARTEE as their mother are repeatedly trying to De-Recognize this Association. ARTEE Central Office tackled the situations every time to save the situation. As a result these people are getting frustrated and trying to cause maximum damages to this esteemed Association. It is clear that their vested personal agenda has taken over. These members along with some people are trying to harm the Unity and Integrity of ARTEE and promoting to join other Association. Since last three years they were unofficially working for that Association only. We want to inform our Members that in last three years these people made nine attempts to De Recognize ARTEE. Details are given below:

### **First Attempt पहला प्रयास**

जब ये टर्म शुरू हुआ तो थोड़े दिन बाद ही कुछ नेताओं द्वारा **sponsored** शिकायतों के आधार पर प्रसार भारती ने इन्क्वायरी गठित कर दी। ये शिकायतें कुछ 5 केन्द्रों से की गई थी। इन **complaints** के बारे में यही कहना चाहता हूँ कि कुछ लोगों को पता भी नहीं था कि उनके नाम से कंप्लेंट की गई है। कुछ लोगों को ये नहीं बताया गया तब के उनकी **complaint** को **Association** के विरुद्ध प्रयोग किया जाएगा। **Prasar Bharati** पूरी तरह से तैयार था इन्क्वायरी करके **ARTEE** को **De-Recognize** करने के लिए। यदि हम स्थिति को नहीं सँभालते तो निश्चित **De-Recognize** कर दिए जाते। अब सोचिये इसके लिए कौन जिम्मेदार होता। यानी अगर हम पोस्ट पर नहीं तो आरती को ही खत्म कर दो। **We tackled the situation and Prasar Bharati closed the inquiry.**

### **Second Attempt दूसरा प्रयास।**

फिर लखनऊ **cwc** में महासचिव महोदय ने पुनः चुनाव करवाने का प्रस्ताव रखा जिसके समर्थन में एक भी वोट नहीं आया सिवाए उनके अपने। **CWC** ने सर्वसम्मति से इस को खारिज कर दिया। **If we acceded to the request it means we ourselves accepting that previous election was unfair and department or Assistant Registrar of Societies could have taken further action against us.**

### **Third Attempt तीसरा प्रयास।**

**6 Feb 2014** को महासचिव महोदय ने रिजाइन कर दिया। उन्होंने इसी समय रिजाइन क्यों किया इसके बहुत से कारन हैं जो की अलग से बताऊंगा। खैर इसके बाद शुरू हुआ इस्तीफों का दौर। चुन चुन कर अपने समर्थकों को **compel** करके **resign** करवाया गया। कुल **16** लोगों ने रिजाइन किया। अब ये दिखने के प्रयास किये जाने लगे कि **CWC** अल्पमत में आ गई है। हमने झुकने से इनकार कर दिया और इस खाली **posts** को **byelaws** के अनुसार नॉमिनेशन के द्वारा भर दिया गया। चुकी **Association** कुछ लोगों की बपौती नहीं बल्कि **Members** के लिए होती है। **This effort also failed.**

### **Fourth Attempt चौथा प्रयास। BMS Affiliation।**

हमने मेंबर्स के हितों को और वर्तमान स्थिति को देखते हुए **BMS** जो की देश का सबसे बड़ा **CTUO** यानि ट्रेड यूनियन **organization** है से **affiliation** लेने का निर्णय लिया तक इसका पुरजोर विरोध किया गया । यह कहा गया की **ARTEE** ने **political affiliation** ले लिया है और अब **ARTEE** को **De Recognize** होने से कोई नहीं रोक सकता ।

इन लोगों ने **Prasar Bharati** में भी मौखिक शिकायत की और मुझे वहा बुलाया गया । मैंने **BMS** के बारे में स्थिती स्पष्ट की और कुछ नहीं हुआ । **A big leader circulated a document and run a campaign with the name "SAVE ARTEE". But our Members did not give any response to that.**

### **Firth Attempt पांचवा प्रयास ।**

**Prokash chakraborty** के नाम से **Hon'ble High Court Delhi** मैं केस किया ताकि यदि कोर्ट से रिलीफ मिल जाए तो इसके आधार पर **De Recognize** करवा दिया जाये । **Relief** नहीं मिल सका चुकी हमने **tactfully handle** किया । **The Case is still pending in District Court Patiala House, Delhi**

### **Sixth Attempt छठा प्रयास । अश्वनी डागर के नाम से केस ।**

जब पहले केस मैं रिलीफ नहीं मिला तो अश्वनी डागर के नाम से एक केस और किया और चुनाव प्रक्रिया को रुकवा दिया । एक डिमांड **electronic** वोटिंग की भी की गई । कोई इनसे ये पूछे के जब इतने दिन तक सत्ता में थे तब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग क्यों नहीं अपनायी । किसने रोका था ? जब हार गए तो ही क्यों इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग याद आई । खैर इसमें भी कोई रिलीफ नहीं मिला ।

### **Seventh Attempt सातवाँ प्रयास ।**

इलेक्शन पर स्टे खुद लगवाया और फिर अपने समर्थको से इलेक्शन करवाने को लैटर **sign** करवाये ताकि उनको **department** की **submit** करके **ARTEE** की **De-Recognize** करवा सके मगर यहाँ भी असफलता हाथ लगी । **Letters signed were in very low in numbers.** वो **letters** कही भी प्रेजेंट नहीं किये गए ।

### **Eighth Attempt:**

जब किसी भी प्रकार से पोस्ट हथियाने मैं सफलता मिलती दिखाई नहीं दी तो यूनिट्स में कुछ मेंबर्स को कंप्यूज करके उनसे **undemocratic resolutions** पास करके वर्तमान कार्यकारिणी को **disown and boycott** करने का **Anti Association** कार्य किया जो की **ARTEE** के इतिहास में आज तक किसी ने नहीं किया था ।

अब जरा याद कीजिये की **Shri. Bachchu Singh Meena, Ram Shankar ji, Sh. Debashish Chaudhary** और अन्य नेताओ ने जो किया था ये इस से कहा भिन्न है । फिर उनको इन्ही लोगो ने निकल दिया । **What they are doing today ? Is it not the same?**

### **Ninth Effort:**

**08.09.16** को आकाशवाणी भवन में दरवाजे से प्रवेश के छोटे से इशू पर आरती को बिना बताये पूरी तैयारी से एक धरना लांच किया गया और इसमें बहुत सारे violations किये गए। जब शोर हुआ तो मैं भी वहा गया। उस आन्दोलन के कारन DG(AIR) ने 4 Associations को De Recognize करने के लिए नोटिस जारी किये हुए हैं। हमने उसका जवाब दे दिया है। We are still not out of danger and trying to handle the situation.

Another argument they are propagating is that we are not declaring election. They themselves obtained stay and saying that there is no stay. If they wish they can always file an Application in Court and Court will give a direction on it, but they will not do it because they know that the stay is intact. Their purpose is to defame Central Office.

From above nine efforts it is clear that they wanted to capture the power and when failed miserably they are now trying to cause maximum damage to our Association through causing the split.

All Members please think what kind of Son of Mother ARTEE are they who never hesitate to go to any extent to cause any type of harm to their so called Mother. But for us the Real Son is who love the Association and protect the Association from any types of harms.

**Actually their principle is \*अगर हम नहीं तो ARTEE नहीं\*.**

Now it is up to the Members to think and decide. We are confident that our intelligent and dedicated Members will understand this dirty game to break the largest Association and will keep the Unity and Integrity of ARTEE intact. ARTEE has faced many of such challenges in the past and always came out stronger. We are sure that with the support of our dedicated Members we will overcome this challenge also.....

**LONG LIVE ARTEE ..... ARTEE ZINDABAD.....**  
**.....LONG LIVE ARTEE.....**